Date
31/03/2020

Subject – Gender, School and Society
Topic – Role of Education in Women Empowerment

B.Ed
2nd year

महिला शिक्षा एवं महिला सशक्तीकरण को विभिन्न विद्वानो एवं आलोचकों ने इस प्रकार परिभाषित किया है –

1. **स्वामी विवेकानन्द के अनुसार –** "यदि आप स्त्रियों को ऊँचा नही उठाते है तो जो ईश्वरीय भाषा की क्रांति का जीवन रूप है तो मत सोचो कि तुम्हारे पास ऊँचा उठाने के लिए कोई और रास्ता है।"

2. **जवाहर लाल नेहरू के अनुसार –** "एक बालक की शिक्षा एक व्यक्ति की शिक्षा है लेकिन एक बालिका की शिक्षा सम्पूर्ण परिवार की शिक्षा है।"

अतः उपरोक्त से स्पष्ट है कि महिलाओ को सशक्त बनाने के लिए शिक्षा एक प्रभावी साधन है या कहे कि शिक्षा महिला सशक्तीकरण के लिए शिक्षा महत्तवपूर्ण भूमिका निभाती है।

शिक्षा एवं दूसरी विषय सामग्री न केवल छात्राओं को उत्तम आर्थिक अवसर प्रदान करती है बल्कि यह लिंग स्तर मे परिवर्तन लाने मे महत्तवपूर्ण भूमिका निभाती है। इस प्रकार सशक्तीकरण मे शिक्षा की भूमिका केवल उनमे अधिगम का ही विकास नही करना है बलकि उनमे जागरूकता विकसित करना, विभिन्न स्तरो पर सशक्तीकरण के लिए ज्ञान प्राप्त करना इनमे शामिल है।

Scanned with CamScanner

शिक्षा महिला सशक्तीकरण मे निम्नलिखित रूप से अपनी भूमिका का निर्वाह करती है-

1.) शिक्षा लिंग असमानता को दूर करने का एक प्रभावी साधन है

2.) परिवार कल्याण पर पुरूषो की शिक्षा की अपेक्षा स्त्रियो की शिक्षा का अधिक प्रभाव पड़ता है

3.) परिवार कल्याण के अतिरिक्त पारिवारिक स्वास्थ्य के लिए भी महिला शिक्षा अत्यन्त प्रभावी है

4.) शिक्षा स्त्रियों को अपने अधिकारों एवं कर्तव्यो का पालन करने के योग्य बनाती है

5.) शिक्षा महिलाओं की आय मे बढोत्तरी कर उन्हे आर्थिक रूप से सशक्त बनाती है

6.) शिक्षा लिंग अनुपात की गिरती हुई दर को रोकने मे भी प्रभावी भूमिका निभाती है।

7.) महिलाओ के स्वास्थ्य स्तर मे सुधार शिक्षा द्वारा ही सम्भव है

8.) शिक्षा सभी पक्षो का विकास कर स्त्रियो को शारीरिक रूप से सुदृढ़ बनाती है

9.) शिक्षा द्वारा स्त्रियों को बजट का ज्ञान होने पर उनकी बचत दर मे भी वृद्वि होती है

10.) शिक्षा आर्थिक एवं सामाजिक विकास से रूकावटो को दूर करती है

अन्तत: कहा जा सकता है कि शिक्षा महिलाओ को अधिक आत्मविश्वासी बनाती है व महिलाओ को आत्मनिर्भर बनने के लिए सशक्त करती है।

कोठारी कमीशन के अनुसार - "मानवीय संसाधनो के पूर्ण विकास के लिए, मानव के सुधार एवं शिशु अवस्था के प्रभावशाली वर्षों में बच्चो के चरित्र-निर्माण के लिए पुरूषो की अपेक्षा महिलाओं की शिक्षा अत्यन्त महत्वपूर्ण है"

Complete

Nidhi Tyagi